भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2077 ● मासिक पत्र : मई 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ की कार्यकारिणी द्वारा अपना घर आश्रम भरतपुर की यात्रा

अपना घर आश्रम के संस्थापक और केबीसी के कर्मयोगी डॉ. बी.एम.भारद्वाज और डॉ. माधुरी भारद्वाज के निमंत्रण पर भिवानी परिवार मैत्री संघ की कार्यकारिणी की भरतपुर आश्रम की तीर्थ यात्रा श्री सांवरमल गोयल और विनय सिंघल के नेतृत्व में अविस्मरणीय रही। ये एक आश्रम नहीं, सेवा ग्राम है जहां 3200 से अधिक प्रभु जी की सेवा का कार्य हो रहा है। हम तीर्थों में जाकर मानव निर्मित मूर्तियों की पूजा करते हैं यहां डॉक्टर दंपति की प्रेरणा से भगवान निर्मित मूर्तियों की पूजा होती है। एक बार समय निकालकर सपरिवार इस तीर्थ यात्रा का पुण्य जरूर प्राप्त करें।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

श्री महादेव कोकड़ा

आज मिलिये श्री महादेव कोकड़ा से

- भिवानी के प्रतिष्ठित कोकड़ा परिवार में जन्म।
- सफल व्यवसायी
- नारायण सेवा संस्थान से जुड़कर हजारों दिव्यागों की सहायता के लिये धन संग्रह करके उदयपुर भेजना।
- भिवानी बाल आश्रम के निर्माण में सहयोग।
- सामूहिक विवाह के लिये सदैव आर्थिक सहयोग।
- गोवर्धन में जर्मन महिला द्वारा संचालित अस्वस्थ गौमाता की सेवा के लिये बनाई गौशाला की सहायता करना।

हम आपके दीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना करते है। ईश्वर आपकी हर मनोकामना पूर्ण करें।

बी.पी.एम.एस. की नेत्रदान, देहदान समिति

समाज को जागरूक किया जा सके जिससे लोगों की सोच में परिवर्तन आये एवं सभी इस मानवता के महान कार्य में सहयोग कर अपना जीवन सफल बना सके इसी उद्देश्य को लेकर यह समिति बनाई गई है । कभी यह कहा जाता था कि मरने के बाद मनुष्य का शरीर किसी काम का नहीं है लेकिन अब ऐसा नहीं है, आपकी आंखें कई दृष्टिहीनों के जीवन में उजाला कर सकती है, आपका हृदय, लीवर, फेफड़ा, किडनी आदि अंगों से कई व्यक्तियों को नया जीवन मिल सकता है एवं आपका शरीर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की पढ़ाई में उपयोगी हो सकता है? आप नेत्रदान, अंगदान, देहदान से अमर हो सकते है? संस्था के प्रयासों से अब तक 2 देहदान और 6 नेत्रदान हो चुके हैं और 200 लोगों ने देहदान / नेत्रदान संकल्प भी लिया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री हर्षवर्धन जी की माताजी का भी मरणोपरांत नेत्रदान एवं देहदान किया गया है।

समिति सदस्य

श्री एन.आर. जैन	9711917855
श्री पवन मोड़ा	9350461306
श्री विनय सिंघल	9999190575

सम्पादकीय

जगत नारायण भारद्वाज

ऐसा क्यों होता है? क्या ऐसा भी हो सकता है? ऐसा क्यों नहीं किया गया? ये सभी बातें शोध का विषय है। हां! यह बात निर्विवाद है कि हमने समूह में जीना नहीं सीखा, यदि कभी सीखा भी होगा तो उसे निरंतरता में नहीं लाए। इसी कारण से हमारे इतिहास में अनेक ऐसे ऐसे महापुरुष हुए जिनका नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है, परंतु उनमें एकता का अभाव रहा। अगर ये सब इकट्ठे होकर रहते तो देश का नक्शा कुछ और ही होता।

हालुवास गांव के ठाकुर टोडरमल हुमायूं के यहां दरबार में रहते थे। उनको घोड़ों की परख थी। एक बार हुमायूं ने उनको घोड़ों को खरीदने के लिए अरब भेजा। अरब जाने से पहले वे अपने गांव आ गए। यहां उनकी जवान लड़की घर पर बैठी थी। घर पर पैसे थे नहीं। घोड़े खरीदने वाले पैसे लड़की की शादी में लगाकर लड़की के हाथ पीले कर दिए। जब बादशाह को इस बारे में पता चला तो क्रोध तो आया परन्तु पैसे के लिए उसने टोडरमल से बिगाड़ी नहीं।

एकबार हुमायूं इधर शिकार खेलते हुए आए। यहां भानी सिंह नाम के व्यक्ति की बहन बहुत सुन्दर थी। उससे निकाह करने के लिए बादशाह ने भानी सिंह को एक घोड़ा, अस्त्र शस्त्र व कुछ धन देकर उसकी बहन से निकाह कर लिया। भानी सिंह बादशाह के साथ रिश्ता होने से बहुत बिगड़ैल बन गया और लोगों को लूटने लग गया। ऐसे कर्म करते हुए एक बार वह बलियाली गांव में डाका डालकर आ रहा था। यहां के राजपूतों ने भानी सिंह के साथ मुकाबला किया इस दौरान बलियाली के 2-3 आदमी मारे गए।

भिवानी के राजपूतों का बलियाली से भी संबंध था जिसके कारण यहां वे शोक मनाने के लिए आए जिनमें टोडरमल भी थे। उनके बैठे-बैठे एक स्त्री ने ताना मारते हुए कहा कि यहां रोने से क्या मिलेगा? अगर असली राजपूत हो तो उनकी स्त्रियों को भी रुलाओ। भानी सिंह तुम्हारे पास से ही तो आता है। तब टोडरमल ने वहीं संकल्प लिया कि भानी सिंह को मारकर ही चैन लूंगा।

टोडरमल वापिस अपने गांव आकर भानी सिंह की टोह में लग गया। एक बार भानी सिंह लूट मार करने भिवानी के पास से जा रहा था तो टोडरमल ने उसे ललकार कर युद्ध के लिए आह्वान कर दिया। उसी समय भानी सिंह के कई व्यक्ति मारे गए और भानी सिंह गांव में भाग गया और टोडरमल ने वहीं जाकर भानी सिंह की गर्दन उड़ा दी। उस दिन से इस गांव का नाम गलकटा पड़ गया।

इस हत्या के लिए टोडरमल की कर्दन काट कर मृत्युदण्ड दिया गया। टोडरमल की गर्दन को उनके परिवार का एक हितैषी लेकर आया। यह समाचार आसपास इलाके में फैल गया। उसी समय टोडरमल की धर्मपत्नी ने भी सती होने का संकल्प लिया। ये वीरांगना अपने पति ठाकुर टोडरमल जी की चिता के साथ सती हुई। आज भी ठाकुर टोडरमल जी की समाधि बिछवाने वाले तालाब पर बनी है तथा भिवानी के हालू क्षेत्र के राजपूत आजतक उस सती की धौंक मारते है।

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्रीमती ऊषा तायल
2 अप्रैल 2021

श्री सज्जन कुमार जैन
3 अप्रैल 2021

श्री मोहित मेहता
9 अप्रैल 2021

श्री आनंद प्रकाश
18 अप्रैल 2021

श्रीमती रुक्मणी देवी गर्ग
24 अप्रैल 2021

श्री सीताराम अरोड़ा
26 अप्रैल 2021

श्रीमती मगन मूर्ति गुप्ता
17 अप्रैल 2021

श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता
29 अप्रैल 2021

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

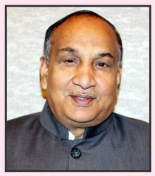

श्री गोविंद राम बंसल
कार्यकारिणी सदस्य-बीपीएमएस
2 मई

श्री प्रेम कुमार भज्जनका
संरक्षक सदस्य
2 मई

श्री बदरी प्रसाद बंसल
संरक्षक सदस्य
8 मई

श्री सत्य नारायण गुप्ता
संरक्षक सदस्य
13 मई

श्री सुभाष बंसल
संरक्षक सदस्य
13 मई

भिवानी गौरव
श्री शिव नारायण शास्त्री
15 मई

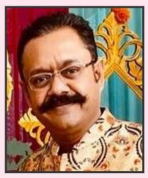

श्री रविन्द्र गोयल
संरक्षक सदस्य
17 मई

भिवानी गौरव
श्री सोमवीर सांगवान
20

श्री मनीष गोयल
कार्यकारिणी सदस्य-बीपीएमएस
23 मई

तेजस्विनी

श्रीमती नीता चावला

एक अविरल नदी की मानिंद जो बहती हैं, सबके साथ और खनकती हैं, सब के दिलों में 'मां' बनकर।

छोटी काशी भिवानी की एक शानदार और बेमिसाल शख्सियत का नाम है नीता चावला। जी! जो इतिहास की सेवानिवृत्त प्रवक्ता हैं। उनके व्यक्तित्व में उनकी मां शांति राणा की जिजीविषा की अमिट झलक और भारतीय सैन्य परिवेश की अनुशासनप्रियता साफ नजर आती है। असम राइफल में बतौर मेजर के पद पर आसीन रहे, मेजर जे.बी. राणा की बेटी नीताचावला नारी सशक्तिकरण का एक अनुपम उदाहरण है। वनस्थली विद्यापीठ से स्नातकोत्तर तक पढ़ी नीता जी ने शिक्षा के साथ-साथ अनेक गतिविधियों से जुड़कर अपने आपको एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में तैयार किया है। नाटक, अभिनय, रंगमंच व संगीत उनके जीवन का अभिन्न अंग है।

कलाकार के रूप में उन्होंने हजारों बच्चों को कला की ओर आकर्षित किया है। बेहद शानदार जीवनसाथी और भरे पूरे परिवार की सूत्रधार नीता जी आज संपूर्ण समाज के लिए जाना पहचाना नाम है, जिन्होंने अपनी ममता स्नेह और अपनत्व से सब बच्चों के बीच 'मां' संबोधन को जीवंत किया है। शहर की अनेक संस्थाओं से जुड़े रहना और सब के बीच समरसता के भाव से अपने आप को स्थापित करना बताता है, कि आप समाज की एक जिम्मेदार नागरिक हैं। भिवानी की युवा पीढ़ी के बीच आपका आकर्षण, आपकी वाणी की मधुरता, सहजता, सरलता और समर्पण की कहानी को खुद बयां करता है। छोटी काशी भिवानी से लेकर राष्ट्रीयस्तर तक के अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बतौर निर्णायक आपकी भूमिका हमेशा महनीय रही है। आधुनिक समय के साथ चलते हुए नीता जी सोशल मीडिया व यूट्यूब चैनल के माध्यम से अपनी अनूठी प्रतिभा रंगमंच, नाटक, लघु नाटिका और चलचित्र में अभिनय कर जिंदगी जीने के अंदाज़ को बदल रही हैं।

आलोचना और समालोचना के बीच युवा पीढ़ी, अपने सहयोगियों और समाज की महिलाओं के मध्य एक गहरे विश्वास का नाम है, नीता चावला। वर्तमान के कठिन दौर में जहां महिलाएं और बेटियां अपनी समस्याओं को किसी के समक्ष रख नहीं पाती, वहां आपका नाम उन्हें वो सम्बल और विश्वास दिलाता है कि हर पटल पर वह, आपसे सब कुछ साझा कर पाती हैं।

आदर्श महिला महाविद्यालय में, अपने अध्यापन के दौरान आपने हजारों बेटियों को अपने व्यक्तित्व के आकर्षण में बांधा है और उन्हें जीवन जीने की नई राह दिखाई है। जिंदगी की अबूझ पहेली को अपने ढंग से सुलझाती जिंदादिली का नाम है नीता चावला। समाज के ताने-बाने को समझ, विकट से विकट परिस्थितियों में भी अपनी सकारात्मक सोच और जीवन जीने की उमंग को आपने हमेशा सहेज कर रखा है। हर कोई आपकी इसी सोच और शैली का कायल रहा है। समाज के किसी भी पुण्य और पावन कार्य के बीच आपकी उपस्थिति सभी की चेहरे पर एक मुस्कान और उत्साह ला देती है। छोटी काशी भिवानी में नए कलाकारों के लिए आप हमेशा प्रेरणा का स्रोत रही हैं, यही कारण है कि समाज में आपकी सादगी, सरलता और ताजगी से भरा व्यक्तित्व का प्रत्येक जन कायल रहा है।

श्रीमती नीता चावला की सुपुत्री प्राची एक बैंक अधिकारी है जो अपने भावी जीवन को सुखमय बनाने की ओर कदम बढ़ाने जा रही है। इनके सुपुत्र प्रणीत एवं पुत्रवधू निधि निजी संस्थान में सेवा देते हुए आनंदित जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

भिवानी के साहित्यकार

मुहल्ले की तंग गलियों में दो जून की रोटी के योद्धाओं के एक संयुक्त परिवार में श्री सुंदरलाल जी के बड़े बेटे के रूप में विकास यशकीर्ति जी ने जन्म लिया। लिखने का शौक महज कोई शौक नहीं है बल्कि इसे संघर्षों और अभावों से गुफ्तगू मानते है, विकास यशकीर्ति जी एक अधिकारी होने के साथ विकास यशकीर्ति जी में एक संवेदनशील कवि भी छुपा है। इस लिये इनका प्रयास रहता है कि कार्य क्षेत्र में कभी भी तनावपूर्ण माहौल ना बने। ये शालीनता इन्होंने डॉ. अंशज सिंह, आई, एस. से सीखी है जिनके व्यक्तित्व से बहुत गहरे तक प्रभावित है। इनका मानना है कि आपके साथ काम करने वाला हर व्यक्ति अपने घर का मुखिया है। आप उस मुखिया को किसी भी सूरत में तनाव देंगे, उस पर सीनियर होने की धौंस जमाएंगे तो वो एक व्यक्ति अपनी सारी झेंप अपने परिवार पर निकालेगा। विकास यशकीर्ति जी कहते हैं कि लेखन की तरफ मेरा रुझान उस समय हुआ जब लिपिक के तौर पर मेरी पोस्टिंग सन 1997 में हिसार में थी, मेरा एक सहकर्मी जिसका नाम विजयंत कुमार था, काव्य जगत और साहित्य की दुनिया मे वो एक वरिष्ठ और कद्दावर लेखक के रूप में सदोष हिसारी के नाम से जाना जाता था। पंजाब केसरी में सदोष भाई के लेख पूरे-पूरे पेज पर आते थे। उस दुबली पतली काया के व्यक्तित्व ने मेरे मन में भी कविता और शायरी की लौ जगा दी। और मैं हल्का फुल्का लेखन और कविताये करने लगा और सच मानिए, मुझे खुद नहीं पता लगा कि विकास कब यशकीर्ति हो गया।

विकास यशकीर्ति जी की व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध-पत्र प्रकाशित एवं पुस्तकें प्रकाशित- 1) गीतों से संवाद (काव्य संग्रह), 2) दर्द का दावानल (काव्य संग्रह), 3) मेरा तुम मौन सुन लेते (मुक्तक संग्रह), 4) जिंदगी एक तंग का काफिया गजल (गजल संग्रह), 5) दोहे मोहे मोय (दोहा संग्रह) प्रकाशनाधीन!! कीर्तिमान : 1. पहली पुस्तक 'गीतों से संवाद' में संवेदना एवं शिल्प विषय पर डॉ. मंजीत द्वारा शोध प्रबंध प्रकाशित। 2. अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'आलोचना दृष्टि' में शोध पत्र प्रकाशित।

3. विकास यशकीर्ति के जीवन के संवेदनात्मक रंग (शोध पत्र) !! एक दोहा संग्रह 'दोहे मोहे मोय' प्रकाशनाधीन है और एक उपन्यास पर काम चल रहा है। एक साहित्यकार और कलाकार के रूप में सपना है कि एक फिल्मी गीतकार के रूप में अपने आप को देखूँ जिससे मुझे अपने संस्कार और संस्कृति को शब्दों के माध्यम से देश के कोने-कोने में पहुंचाने का मौका मिले। लिखने का शौक महज कोई शौक नहीं है बल्कि इसे संघर्षों और अभावों से गुफ्तगू मानते है, विकास यशकीर्ति।

विकास यशकीर्ति

पिता का नाम	:	श्री सुंदर लाल
जन्म	:	भिवानी (हरियाणा)
माता का नाम	:	श्री मति रतनी देवी
धर्मपत्नी	:	श्री मति ऋतु बाला
संतान	:	नीलाक्ष, केतन और गीतांजलि
शिक्षा	:	स्नातकोत्तर (हिंदी, इतिहास)
विशेष	:	राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में निरंतर सहभागिता, 17 वर्षों से पत्र पत्रिकाओं में सक्रिय, वर्ष 2006 से नियमित रूप से रेडियो एवं टीवी चैनल पर काव्य प्रस्तुति। साहित्यिक गीतों की एलबम 'यादें तेरी मधुशाला', जी न्यूज के कार्यक्रम 'कवि युद्ध' में प्रस्तुति।

पुरस्कार एवं मान-सम्मान

साहित्यिक लेखन, पत्रकारिता, रंगमंच और समाजसेवा आदि के लिए प्रशासन व उल्लेखनीय संस्थाओं की ओर से कई सम्मान व मानद उपाधियां प्राप्त, जिनमें से प्रमुख हैं :-

1. सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रदत्त राज्यस्तरीय राजेश चेतन काव्य पुरस्कार
2. कलमवीर कला मंच बहादुरगढ़ द्वारा 'कलमवीर सम्मान'
3. अखिल भारतीय साहित्य परिषद फरीदाबाद द्वारा 'साहित्य सेवा सम्मान'
4. चाणक्य प्रगतिशील मंच द्वारा 'चाणक्य सम्मान'

सम्प्रति : अकाउंट ऑफिसर (वित्त विभाग, हरियाणा सरकार)

पता : 'ऊँ सुन्दरम' नजदीक बंसीलाल पार्क, आजाद नगर, भिवानी (हरियाणा) 127021
मोबाइल नंबर : 9466850000, 7015494953
Email : vikasyaskirti@gmail.com

प्रस्तुति :
श्री सचिन मेहता
7988010075

व्रत अप्रैल 2021

- परशुराम जयंती शक्रवार 14 मई
- अक्षय तृतीया शुक्रवार 14 मई
- जानकी जयंती (सीता नवमीं) गुरुवार 20 मई
- नरसिंह जयंती मंगलवार 25 मई

मेरी कलम से

मंजीत मरवाहा

सकारात्मक रहें

यूं थककर बैठा है राही, मंजिल की आधी राहों में,
लौट जा कहता है ये मन, फंस जाएगा जंजालों में।।
लेकिन मैं कहता हूं राही, ना आना मन की बातों में
मंजिल मिल ही जाएगी, सकारात्मक सोच अपनाने में।।

आदिकाल से आज तक, हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी में कठिन वक्त से गुजरना पड़ा है। सकारात्मक सोच ऐसी कठिन परिस्थितियों से बाहर आने में हमारी मदद करती है। हमारी सोच तभी पूर्ण सकारात्मक हो सकती है जब कि न केवल हम अपनी सोच को, अपितु अपने दृष्टिकोण को भी बदलें।

आज के समय में नकारात्मक सोच जीवन को घेरे हुए है। इससे तनाव, असंतुष्टि पैदा होती है। हम अपना वक्त खराब करते हैं कुछ ऐसी बातों से कि –

1. लोग क्या कहेंगे
2. असफलता का डर
3. अपनी तकलीफ को अधिक गम्भीर समझना
4. खुद की दूसरों से तुलना करना इत्यादि।

यही नकारात्मकता गम्भीर रूप ले लेती है। दु:ख-सुख, हार-जीत, सफलता-विफलता जीवन का अहम हिस्सा है।

मुमकिन नहीं, हर वक्त मेहरबान रहे जिन्दगी।
कुछ लम्हे जीने का तजुर्बा भी सिखाते हैं।।

कठिनाई भरे वक्त में नकारात्मक सोच दिमाग को विकलांग बना देती है। जबकि सकारात्मक सोच एक फूल के समान होती है, जिसकी महक आपके पूरे जीवन को महका देती है। समस्याएं रुकने का संकेत नहीं है। यह दिशा निर्देश है। छोटी सी सकारात्मक सोच आपके पूरे दिन को बदल सकती है। अपने दुखों के लिए हमारी नकारात्मक सोच ही जिम्मेदार है। संघर्ष जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। सकारात्मक सोच के लिए–

- सुबह पक्षियों की आवाज से जब आकाश गुंजायन होता है उसे सुनें तो आनन्द की अनुभूति होती है।
- दिन की शुरूआत योग / व्यायाम से करें / प्रसन्नचित्त रहें।
- कुछ पल ईश्वर की आराधना में ध्यान लगाएं
- हंसने की आदत डालें। थैरेपी के तौर पर रोजाना कम से कम 10 मिनट जोर-जोर से हंसे।
- बच्चों के साथ वक्त बिताना भी आनन्द देता है।
- अपनी कमियों को प्यार से स्वीकार करें।
- अपनी हॉबी पर भी समय व्यतीत करें।
- मुस्कुराओ
- सकारात्मक सोच रखो कि आज मेरा दिन है।
- भगवान हमेशा मेरे साथ हैं।
- अपने किए का मैं खुद जिम्मेदार हूँ।

कहते हैं कि शब्दों में बहुत ताकत होती है अगर आप सकारात्मक बातें बोलेंगे तो पॉजीटिव किरणें हमारे आसपास रहेंगी। स्वयं को खुश रखिएं प्रसन्न रहिए क्योंकि 'मन के जीते जीत है'। खुद से प्यार करिए, तभी दुनिया से प्यार कर पाएंगे।

आज कोरोना महामारी पूरे देश में व्यापक रूप से फैली हुई है । चिन्ताजनक स्थिति बनी हुई है। कोरोना की खबरें देखकर मन में डर व्याप्त हो जाता है। ऐसी विकल परिस्थिति में भी खुद को सकारात्मक रखना बहुत जरूरी है। पाजीटिव सोच हर मुश्किल को आसान बना देती है।

किताबों से दोस्ती करें परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएं। सकारात्मक सोच हमें हर विकट परिस्थिति से बाहर ले आती है। दुनिया में सिर्फ एक ही इन्सान आपकी मदद कर सकता है-वो है आप।

आओ सकारात्मक सोच के साथ जिन्दगी को आसान बनाएं।

चेतन वाणी

राजेश चेतन

कोविड से डर नहीं रहेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे
घर-घर मंगल दीप जलेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

शादी-घोड़ी, धूम-धड़ाका फिर बारात में चलना है
इक दूजे से गले मिलेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

अस्पताल सब होंगे खाली, बीमारी मिट जायेगी
डॉक्टर भी आराम करेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

कवि सम्मेलन मंच सजेगा, संयोजक मुस्कायेगा
और ठहाके खूब लगेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

मंदिर मस्जिद गिरजाघर में फिर से रौनक लौटेगी
नव दुर्गा दरबार सजेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

घर में रहना अभी जरूरी, संयम भी धारण करना
तभी सभी के प्राण बचेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे

'चेतन' कहता महामारी से निश्चित ही हम जीतेंगे
एक नया इतिहास रचेंगे, अच्छे दिन आ जायेंगे।

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।